

# काशी नरेश विश्वविद्यालय भदोही, उत्तरप्रदेश

## पीएच.डी. प्रवेश-पात्रता परीक्षा

### प्रथम प्रश्न पत्र

#### Unit-I : Teaching Aptitude — शिक्षण अभिवृत्ति

- शिक्षण : संकल्पना, उद्देश्य एवं स्तर
- स्मृति, बोध एवं चिंतनात्मक स्तर का शिक्षण
- शिक्षार्थी की विशेषताएँ
- किशोर एवं वयस्क शिक्षार्थी
- व्यक्तिगत विभिन्नताएँ
- शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक
- शिक्षक, शिक्षार्थी, सहायक सामग्री एवं शिक्षण-सुविधाएँ
- अधिगम का वातावरण एवं संस्थागत कारक
- उच्च शिक्षा में शिक्षण की विधियाँ
- Teacher-centred एवं Learner-centred methods
- Offline एवं Online teaching
- SWAYAM, SWAYAMPRAKASH, MOOCs आदि

#### Unit-II : Research Aptitude — अनुसंधान अभिवृत्ति

- अनुसंधान : अर्थ, प्रकृति एवं उद्देश्य
- अनुसंधान के प्रकार
- शोध की विधियाँ
- Experimental, Descriptive, Historical आदि अनुसंधान
- शोध की प्रक्रिया
- शोध समस्या का चयन
- Hypothesis — परिकल्पना
- Sampling — प्रतिचयन
- Data Collection — आँकड़ा संकलन
- Primary एवं Secondary Data
- Thesis एवं Article Writing
- Research Ethics
- ICT का अनुसंधान में प्रयोग

#### Unit-III : Comprehension — बोध

- गद्यांश आधारित प्रश्न
- मुख्य विचार की पहचान
- निष्कर्ष एवं अनुमान
- तथ्य एवं मत में अंतर
- लेखक का उद्देश्य

- तार्किक एवं आलोचनात्मक बोध
- Passage से संबंधित तथ्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न

#### **Unit-IV : Communication — संचार**

- संचार : अर्थ, प्रकृति एवं प्रकार
- संचार की प्रक्रिया
- Verbal एवं Non-verbal Communication
- प्रभावी संचार
- समूह एवं पारस्परिक संचार
- Classroom Communication
- संचार में बाधाएँ
- Mass Media एवं Society
- भाषा एवं संचार
- ICT आधारित संचार

#### **Unit-V : Mathematical Reasoning and Aptitude — गणितीय तर्क एवं अभिवृत्ति**

- Number Series
- Letter Series
- Coding-Decoding
- Fraction
- Ratio एवं Proportion
- Percentage
- Profit एवं Loss
- Interest
- Average
- Time and Distance
- Fractions
- Mathematical Reasoning
- Basic quantitative aptitude

#### **Unit-VI : Logical Reasoning — तार्किक तर्क**

- तर्क एवं तर्कशास्त्र की मूल अवधारणाएँ
- Proposition
- Categorical Proposition
- Mood एवं Figure
- Deductive एवं Inductive Reasoning
- Analogy
- Venn Diagram
- Logical Fallacies
- भारतीय तर्कशास्त्र
- प्रमाण
- प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द आदि
- तर्क की वैधता एवं सत्यता

#### **Unit-VII : Data Interpretation — आँकड़ों का निर्वचन**

- Data का अर्थ एवं प्रकार
- Quantitative एवं Qualitative Data

- Data Representation
- Table
- Bar Graph
- Pie Chart
- Histogram
- Line Graph
- Data Interpretation
- Percentage एवं Ratio आधारित प्रश्न
- Data से निष्कर्ष निकालना

#### **Unit–VIII : Information and Communication Technology (ICT)**

- ICT की मूल अवधारणाएँ
- Computer एवं Internet
- E-mail
- Intranet एवं Internet
- WWW
- Web Browsers
- Search Engines
- Digital Initiatives
- E-learning
- MOOCs
- SWAYAM
- SWAYAMPRAKASH
- Online learning platforms
- ICT एवं Higher Education
- Digital governance

#### **Unit–IX : People, Development and Environment — जन, विकास एवं पर्यावरण**

- विकास एवं पर्यावरण
- मानव एवं पर्यावरण का संबंध
- Sustainable Development
- Natural Resources
- Renewable एवं Non-renewable Resources
- Pollution
- Air, Water, Soil एवं Noise Pollution
- Climate Change
- Global Warming
- Environmental Protection
- Biodiversity
- Environmental Laws
- Natural एवं Man-made Hazards
- Disaster Management
- मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण

#### **Unit–X : Higher Education System — उच्च शिक्षा प्रणाली**

- भारत में उच्च शिक्षा का विकास

- प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था
- स्वतंत्रता के बाद उच्च शिक्षा
- विश्वविद्यालय एवं उच्च शिक्षा संस्थान
- UGC
- AICTE
- NAAC
- NIRF
- शिक्षा नीति एवं उच्च शिक्षा
- भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता
- मूल्य एवं पर्यावरण शिक्षा
- Governance एवं Administration
- Higher Education और ICT
- व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा
- Open एवं Distance Learning

## द्वितीय प्रश्न पत्र

### इकाई-1

#### वैदिक-साहित्य

(क) वैदिक-साहित्य का सामान्य परिचय-

वेदों का काल : मैक्समूलर, ए. वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम. विन्टरनिज, भारतीय परम्परागत विचार  
संहिता साहित्य- संवाद सूक्त: पुरुवा-उर्वशी, यम-यमी, सरमा-पणि, विश्वामित्र- नदी  
ब्राह्मण साहित्य  
आरण्यक साहित्य  
वेदांग- शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष

### इकाई-2

#### वैदिक साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

निस्रलिखित सूक्तों का अध्ययन-

ऋग्वेद: - अग्नि (1.1), वरुण (1.25), सूर्य (1.125), इन्द्र (2.12), उपम् (3.61), पर्जन्य (5.83), अक्ष (10.34), ज्ञान (10.71), पुरुष (10.90), हिरण्यगर्भ (10.121), वाक् (10.125), नामदीय (10.129)  
शुक्लयजुर्वेद: शिवसंकल्प, अध्याय 34 (1-6), प्रजापति, अध्याय 23 (1-5)  
अथर्ववेद: राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), काल (10.53), पृथिवी (12.1)

ब्राह्मण-साहित्य-

प्रतिपाद्य विषय, विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अधिष्टोम, दर्शपूर्णमास यत्र, पंचमहायज्ञ, आख्यान (शुनःशेष, वाद्यनम्)।

उपनिषद्-साहित्य-

निम्नलिखित उपनिषदों की विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन : ईशा, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय, श्वेताश्वतर।

वैदिक व्याकरण, निरुक्त एवं वैदिक व्याख्या पद्धति-

ऋक्प्रातिशाख्यः निम्नलिखित परिभाषाएँ -समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष, मोष्म, स्वरनक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य, रिफित ।

निरुक्त (अध्याय 1 तथा 2)

चार पद कोटियाँ, नाम विचार, आख्यात विचार, उपसर्गों का अर्थ, निपात की निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन  
निर्वचन के मिद्धान्त  
निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्ति-आचार्य, बीर, हृद, मो, समुद्र, वृष, आदित्य, उपम्, मेघ, बा, उदक, नदी, अश्व, अधि, जावेदम्, वैधानर, निघण्टु।  
निरुक्त (अध्याय 7 दैवत काण्ड)  
वैदिक स्वर-उदात्त, अनुदान तथा स्वरित।

### इकाई-3 दर्शन-साहित्य

(क) प्रमुख भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय-

प्रमाणमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, आचारमीमांसा (चार्वाक, जैन, बौद्ध, न्याय, सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा के संदर्भमें)

### इकाई-4 दर्शन-साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

ईश्वरकृष्ण सांख्यकारिका- सत्कार्यवाद, पुरुषस्वरूप, प्रकृतिस्वरूप, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य।

सदानन्दः वेदान्तमार-अनुबन्ध-चतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप-अपवाद, लिंगशरीरोत्पत्ति, पंचीकरण, विवर्त, महावाक्य, जीवन्मुक्ति।

तर्कसंग्रह/तर्कभाषा-पदार्थ, कारण, प्रमाण (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द), प्रामाण्यवाद, प्रमेय।

|                  |                                                                     |
|------------------|---------------------------------------------------------------------|
| योगसूत्र-        | चित्तभूमि, चित्तवृत्तियों, ईश्वर का स्वरूप, योगाङ्ग, समाधि, कैवल्य। |
| बादरायण-         | ब्रह्मसूत्र 1.1 (शांकरभाष्य)                                        |
| विश्वनाथपंचानन-  | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)                                |
| सर्वदर्शनसंग्रह- | जैनमत, बौद्धमत                                                      |
| अर्थसंग्रह-      |                                                                     |

### इकाई-5 व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

सामान्य-परिचयः निम्नलिखित आचार्यों का परिचय-

पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, वामनजयादित्य, भट्टोजिदीक्षित, नागेशभट्ट, जैनेन्द्र, कैयट, शाकटायन, हेमचन्द्रसूरि, सारस्वतव्याकरणकार।

पाणिनीय शिक्षा

भाषाविज्ञान-

भाषा की परिभाषा, भाषा का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक), ध्वनियों का वर्गीकरण : स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर, स्वर (संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में), मानवीय ध्वनियंत्र, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान, बर्नर)  
अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, वाक्य का लक्षण व नेद, नारोपीय परिवार का सामान्य परिचय, वैदिक संस्कृत एवं यौकिक संस्कृत में अन्तर, भाषा तथा बाकू में अन्तर, भाषा तथा बोली में अन्तर।

व्याकरण का विशिष्ट अध्ययन-

परिभाषाएँ-

संहिता, गंयोग, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, पि, उपधा, अमृत, यति, पड, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, न, सर्वनाम, निष्ठा।

व्याकरण का विशिष्ट अध्ययन-

परिभाषाएँ-संहिता, संयोग, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अवृत्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, भ, सर्वनाम, निष्ठा।

सन्धि -अच् सन्धि, हल् सन्धि, बिसर्ग सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

सुबन्त -

अजन्त - राम, सर्व (तीनों लिंगों में), विश्वपा, हरि, त्रि (तीनों लिंगों में), सखि, सुधी, गुरु, पितृ, गौ, रमा, मति, नदी, धेनु, मातृ, ज्ञान, वारि, मधु।

हलन्त - लिहू, विश्ववाह, चतुर् (तीनों लिंगों में), इदम् (तीनों लिंगों में), किम् (तीनों लिंगों में), तत् (तीनों लिंगों में), राजन्, मघवन्, पचिन्, विद्वन्, अस्मद्, युष्मद्

समास - अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, द्वन्द्व, (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

तद्धित - अपत्यार्थक एवं मत्वर्थीय (सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

तिङन्त - भू, एछ, अद्, अम्, हु, दिव्, पुञ्, तुद्, तन्, कृ, रुथ, क्रीष्, चूर्।

प्रत्ययान्त -णिजन्तः सन्नन्तः यङन्तः यङ्लुगन्तः नामधातु।

कृदन्त - तव्य / तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्, क्यण्, शतृ, शानन्, क्त्या, क्तः, क्तवतुः तुमुन्, णमुल्।

स्त्री प्रत्यय- लघुसिद्धान्त कौमुदी के अनुसार

कारक प्रकरण -सिद्धान्तकौमुद्री के अनुसार

परस्मैपद एवं आत्मनेपद विधान- सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

महाभाष्य (पस्पशाहिहक) -शब्दपरिभाषा, शब्द एवं अर्थ संबंध, व्याकरण अध्ययन के उद्देश्य, व्याकरण की परिभाषा, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम, व्याकरण पद्धति।

वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड) -स्फोट का स्वरूप, शब्द-ब्रह्म का स्वरूप, शब्द त्रैश्व की शक्तियाँ, स्फोट एवं ध्वनि का संबंध, शब्द-अर्थ संबंध, ध्वनि के प्रकार, भाषा के स्तर।

इकाई-7

संस्कृत-साहित्य, काव्यशास्त्र एवं छन्दपरिचय

(क) निम्नलिखित का सामान्य परिचय:

भास, अधघोष, कालिदास, शुद्रक, विशाखदत्त, भारवि, माघ, हर्ष, बाणभट्ट, भवभूति, भट्टनारायण, विष्णु, श्रीहर्ष, अम्बिकादत्तव्यास, पंडिता क्षमाराव, वी राघवन्, श्रीधरभास्कर वर्णेकर।

काव्यशास्त्र- रससम्प्रदाय, अलंकारसम्प्रदाय, रीतिसम्प्रदाय, ध्वनिसम्प्रदाय, वक्रोक्तिसम्प्रदाय, औचित्यसम्प्रदाय  
पाश्चात्य काव्यशास्त्र - अरस्तू, लॉन्जाइनस, क्रोचे ।

### इकाई-8

निम्नलिखित का विशिष्ट अध्ययन-

पद्म-बुद्धचरितम् (प्रथम) रघुवंशम् (प्रथमसर्ग), किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग), शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग), नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्ग)  
नाट्य-स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, वेणीसंहारम्, मुद्राराक्षसम्, उत्तररामचरितम्, रत्नावली, मृच्छकटिकम्।  
गद्य- दशकुमारचरितम् (अष्टम-उच्छवास), हर्षचरितम् (पञ्चम-उच्छवास), कादम्बरी (शुकनासोपदेश)

चम्पूकाव्य- नलचम्पू: (प्रथम-उच्छवास)

**साहित्यदर्पण**-काव्यपरिभाषा, काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन, शब्दशक्ति -(संकेतग्रह, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), काव्यभेद (चतुर्थ परिच्छेद) श्रव्यकाव्य (गद्य, पद्य, मित्र काव्य-लक्षण)

**काव्यप्रकाश**-काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्र विमर्श, रसदोष, काव्यगुण, व्यंजनावृत्ति की स्थापना (पञ्चम उल्लास)

अलंकार:-वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, क्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपहनुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, सकंर, संसृष्टि।

ध्वन्यालोक- (प्रथम उद्योत)

वक्रोक्तिजीवितम्- (प्रथम उन्मेष)

भरत- नाट्यशास्त्रम् (द्वितीय एवं षष्ठ अध्याय)

दशरूपकम्- (प्रथम तथा तृतीय प्रकारा)

छन्द परिचय – आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवजा, उपेन्द्रवजा, वसन्ततिलका, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतबिलम्बित, शालिनी, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, हरिणी, शार्दूलविक्रीडित, सगंधरा।

### इकाई-9

पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र एवं अभिलेखशास्त्र

(क) निम्नलिखित का सामान्य परिचय-

रामायण-

विषयवस्तु, काल, रामायणकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्रोत, साहित्यिक महत्व, रामायण में आख्यान

महाभारत - विषयवस्तु, काल महाभारतकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्रोत, साहित्यिक महत्त्व, महाभारत में आख्यान।  
पुराण- पुराण की परिभाषा, महापुराण उपपुराण, पौराणिक सृष्टि-विज्ञान, पौराणिक आख्यान।

प्रमुख स्मृतियों का सामान्य परिचय।  
अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय।  
लिपि: ब्राह्मी लिपि का इतिहास एवं उत्पत्ति के सिद्धान्त।  
अभिलेख का सामान्य परिचय

### इकाई-X

#### निम्नलिखित ग्रन्थों का विशिष्ट अध्ययन

कौटिलीय- अर्थशास्त्रम् (प्रथम-विनयाधिकारिक)  
मनुस्मृति- (प्रथम, द्वितीय तथा गप्तम अध्याय)  
याज्ञवल्क्यस्मृति- (व्यवहाराध्याय)  
लिपि तथा अभिलेख -गुप्तकालीन तथा अशोककालीन ब्राह्मी लिपि। अशोक के अभिलेख प्रमुख शिलालेख, प्रमुख स्तम्भलेख  
मौर्यानरकालीन अभिलेख कनिष्क के शामन वर्ष 3 का मारनाथ बौद्ध  
प्रतिमा लेख, रुद्रदामन् का गिरनार शिलालेख, खारवेल का हाथीगुम्फा

अभिलेख-  
गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख समुद्रगुप्त का इलाहाबाद  
स्तम्भलेख, यशोधर्मन् का मन्दसौर  
शिलालेख, हर्ष का बांसखेड़ा ताम्रपट्ट अभिलेख, पुलकेशिन् द्वितीय का ऐहोल शिलालेख